Supply of Canal Water for Two Weeks

***250. SH. JOGI RAM SIHAG, M.L.A. :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to supply water for two weeks in a month in the canals of the State togetherwith the details thereof ?

Sh. Manohar Lal, Chief Minister, Haryana

No, Sir.

Note for Pad
Starred Assembly Question No. 250

Haryana State receives supplies of surface water through two major sources i.e. River Yamuna through Western Jamuna Canal (WJC) and supplies from Bhakra through Bhakra Main Line (BML) delivering supplies at Haryana contact points RD 390,000 of Bhakra Main Line and RD 160,000 of Narwana Branch. Supplies from BML RD 390,000 feed the districts Kaithal, Sirsa, Fatehabad, Hissar, Jind (partly) and Bhiwani (partly) while supplies from Narwana Branch feed the districts Ambala, Kurukshetra, Jind (Partly), Kaithal (Partly), Karnal (partly) and further complement the WJC commands. A vast network of 14125.41KM of Canals and Minors distributes these supplies throughout the State, operating the canals in a rotational manner. The different systems of canals are as follows:

1. <u>Western Jamuna Canal System</u>:- This system receives supply from River Yamuna as well as Bhakra supply through Narwana Branch via Sutlej Yamuna Link Canal and Narwana Branch Karnal Link Channel. The system covers areas of District Yamunanagar, Karnal, Panipat, Jind (Partly), Sonipat, Rohtak, Bhiwani (Partly), Charkhi Dadri, Hisar (Partly), Jhajjar, Rewari, Mahendergarh, Ambala, Kurukshetra, Kaithal (Partly) and drinking water of Gurugram and Delhi. The system often runs in four groups of 8 days rotation (24 days closure) during lean period but in rainy season when sufficient availability of water remain in River Yamuna, the system runs as one group but when there is scarcity of inflows in River Yamuna during the month of January to March, the system switches over to five groups and when inflow increases the system switches to four groups. Presently Western Yamuna Canal runs in five groups of 8 days rotation (32 days closure) with authorization of JLN+Habri group 5403 Cusecs, Bhalaut + Sirsa group 5295 Cusecs, Sunder + Saraswati group 5242 Cusecs, Butana+Nagal group 5102 Cusecs and JLN+ Markanda group 5342 Cusecs. When inflow in River Yamuna improves, the system runs back in four groups JLN+Habri group 6128 Cusecs, Bhalaut+Sirsa group 6171 Cusecs, Butana+ Markanda group 6324 Cusecs and Sunder+Nagal group

6343 Cusecs. During the month of January to April, the average inflow in River Yamuna remains 2000 Cusecs and about 3500 Cusecs supply is received through Narwana Branch. With this supply, system cannot be run in two groups for which approximately 11000 Cusecs of supply is required.

2. <u>BML Barwala Link Channel System</u>:- BML-Barwala Link Channel System receives supply at RD 466050 of Bhakra Main Line but during monsoon season when sufficient availability of water remain in River Yamuna, the system is augmented through Sirsa branch. This system often runs in three groups of 8 days rotation (16 days closure) with authorization of 1251 Cusecs in Group-A, 1157 Cusecs, in Group-B and 1220 Cusecs in Group-C. This system covers areas of District Kaithal (Partly), Jind (Partly), Hisar (Partly) and Bhiwani (Partly). The carrying capacity of BML- Barwala link channel is about 1300 Cusecs against the design capacity of 1725 Cusecs. Due to constraint in the carrying capacity of BML- Barwala link channel it is not possible to supply water for two weeks in a month. However, during monsoon season when sufficient rain water is available in River Yamuna, the system runs as one group.

3. <u>Tail Bhakra Main Line System</u>:- This system receives supply from Tail Bhakra Main Line and runs in Two Groups of 16 days rotation (16 days closure). The authorization of Group-A is 3589 Cusecs and Group-B 3481 Cusecs. The system delivers supply to areas of District Fatehabad, Hisar (Partly) and Sirsa alongwith supply to Rajasthan via Haryana.

In view of the position elucidated above, canal water cannot be delivered in two weeks during a month in the State as per availability constraint. However, continuous Canal water is being delivered in all systems during monsoon season when sufficient availability of water remains in river Yamuna.

दो सप्ताह के लिए नहरी पानी की आपूर्ति

*250. **श्री जोगी राम सिहाग, एम0एल0ए0 :** क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि क्या राज्य में नहरों में महीने में दो सप्ताह पानी की आपूर्ति करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है तथा इसका ब्यौरा क्या है ?

श्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

नहीं , श्रीमान जी ।

पैड के लिए नोट
विधान सभा तारांकित प्रश्न संख्या–250

हरियाणा राज्य को दो प्रमुख स्त्रोतों से पानी की आपूर्ति होती है जैसे कि यमुना नदी के पानी की पश्चिमी जमुना नहर (डब्ल्यूजेसी) के माध्यम से और भाखड़ा के पानी, भाखड़ा मेन लाइन (बीएमएल) के माध्यम से आपूर्ति होती है, जो हरियाणा सम्पर्क बिन्दुओं भाखड़ा मेन लाइन की बुर्जी 390000 और नरवाना शाखा की बुर्जी 160000 पर पानी की आपूर्ति करती है। बी.एम.एल. की बुर्जी 390000 से कैथल, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जीन्द (आंशिक रूप से) और भिवानी (आंशिक रूप से) जिलों को पानी की आपूर्ति होती है जबकि नरवाना शाखा से अम्बाला, कुरूक्षेत्र, जीन्द (आंशिक रूप से), कैथल (आंशिक रूप से), करनाल (आंशिक रूप से) को पानी की आपूर्ति होती है और यह आगे डब्ल्यूजेसी कमान की पूरक है। नहरों और माइनरों का 14125.41 किलोमीटर का एक विशाल नेटवर्क पूरे राज्य में इस पानी की आपूर्ति को रोटेशन के हिसाब से वितरित करता है। नहरों की विभिन्न प्रणलियां इस प्रकार हैं :–

1. **पश्चिमी जमुना नहर प्रणाली**– इस प्रणाली को पानी की आपूर्ति यमुना नदी के साथ–साथ भाखड़ा के पानी, सतलुज यमुना लिंक नहर और नरवाना शाखा करनाल लिंक चैनल के माध्यम से होती है। इस प्रणाली में जिला यमुनानगर, करनाल, पानीपत, जीन्द (आंशिक रूप से), सोनीपत, रोहतक, भिवानी (आंशिक रूप से), चरखी दादरी, हिसार (आंशिक रूप से), झज्जर, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, अम्बाला, कुरूक्षेत्र, कैथल (आंशिक रूप से) तथा गुरूग्राम और दिल्ली का पीने का पानी शामिल है। अल्प उपलब्धी के दौरान (24 बन्दी के दिनों में) यह सिस्टम अक्सर 8 दिनों के 4 समूहों में चलता है लेकिन बरसात के मौसम में जब यमुना नदी में पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहती है तो सिस्टम पानी की उपलब्धता के अनुसार एक समूह में चलता है लेकिन जनवरी से मार्च के महीने में जब यमुना नदी में पानी की कमी होती है तब सिस्टम को 5 समूहों में बदल दिया जाता है और जब प्रवाह में वृद्धि होती है तो सिस्टम वापिस 4 समूहों में बदल दिया जाता है। वर्तमान में सिस्टम (32 बन्दी के दिनों में) 8 दिनों के 5 समूहों में अपने अधिकृत प्रवाह के साथ चलता है जैसे कि जेएलएन + हाबड़ी समूह 5403 क्यूसिक, भालोट + सिरसा समूह 5295 क्यूसिक, सुन्दर + सरस्वती समूह 5242 क्यूसिक, बुटाना + नागल समूह 5102 क्यूसिक और जेएलएन + मारकंडा समूह में 5342 क्यूसिक। जब यमुना नदी के प्रवाह में सुधार होता है तो सिस्टम 4 समूहों में वापिस आ जाता है जैसे कि जेएलएन + हाबड़ी समूह 6128 क्यूसिक, भालोट + सिरसा समूह 6171 क्यूसिक, सुन्दर + नागल समूह 6343 क्यूसिक, बुटाना + मारकंडा समूह 6324 क्यूसिक। जनवरी से अप्रैल महीने के दौरान यमुना नदी में औसत प्रवाह 2000 क्यूसिक रहता है और नरवाना शाखा के माध्यम से लगभग 3500 क्यूसिक पानी की आपूर्ति होती है, इस आपूर्ति प्रणाली को 2 समूहों में नहीं चलाया जा सकता जिसके लिए लगभग 11000 क्यूसिक पानी की आवश्यकता है।

2. <u>बी.एम.एल प्रणाली बरवाला लिंक चैनल सिस्टमः–</u> बी.एम.एल बरवाला लिंक चैनल सिस्टम को भाखड़ा मेन लाइन की बुर्जी 466050 पर पानी की आपूर्ति मिलती है लेकिन मानसून के मौसम के दौरान जब यमुना नदी में पानी की पर्याप्त उपलब्धता रहती हो तो सिस्टम सिरसा शाखा द्वारा संवर्धित किया जाता है। यह प्रणाली अक्सर (16 बन्दी के दिनों में) 8 दिनों के रोटेशन के 3 समूहों में अपने अधिकृत प्रवाह के साथ चलती है जैसे कि समूह ''ए'' में 1251 क्यूसिक, समूह ''बी'' में 1157 क्यूसिक और समूह सी में 1220 क्यूसिक। इस प्रणाली में जिला कैथल (आंशिक रूप से), जीन्द (आंशिक रूप से), हिसार (आंशिक रूप से) और भिवानी (आंशिक रूप से) को पानी की आपूर्ति की जाती है। बी.एम. एल. बरवाला लिंक चैनल की वहन क्षमता 1300 क्यूसिक है जबकि डिजाइन क्षमता 1725 क्यूसिक है। बी.एम.एल. बरवाला लिंक चैनल की वहन क्षमता में बाधा के कारण एक महीने में दो सप्ताह तक पानी की आपूर्ति करना संभव नहीं है । हालांकि मानसून के मौसम के दौरान जब यमुना नदी में पर्याप्त वर्षा का पानी उपलब्ध होता है तो सिस्टम एक समूह में चलता है ।

3. <u>टेल भाखड़ा मेन लाइन सिस्टमः–</u> यह सिस्टम टेल भाखड़ा मेन लाइन से सप्लाई प्राप्त करता है और (16 बन्दी के दिनों में) 16 दिन के रोटेशन के 2 समूहों में अपने अधिकृत प्रवाह के साथ चलता है जैसे कि समूह ''ए'' में 3589 क्यूसिक और समूह ''बी'' में 3481 क्यूसिक। यह प्रणाली जिला फतेहाबाद, हिसार (आंशिक रूप से) और सिरसा के साथ–साथ हरियाणा के माध्यम से राजस्थान को भी पानी की आपूर्ति करती है ।

उपरोक्त स्थिति के मद्देनज़र, राज्य में पानी की उपलब्धता में बाधा के चलते एक माह के दौरान 2 सप्ताह में नहर का पानी उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। हालांकि यमुना नदी में मानसून के मौसम में पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहने पर सभी नहरों में निरंतर पानी पहुंचाया जाता है ।